अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक :** 17.12.2019

समय : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 15

आचार्य रायचन्द जी (किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) मुनि रायचन्द जी रात्रिकालीन व्याख्यान में बहुधा कौन सा व्याख्यान सुनाते थे?

(ख) मनुष्य के अद्वितीय पारखी स्वामीजी ने मुनि रायचन्द की विशेषताओं को देखकर क्या कहा?

(ग) गोगुन्दा के श्रावकों के अनुसार युवाचार्य पद के असली अधिकारी कौन थे? तथा उनके द्वारा प्रदप्त पत्र में कितने व्यक्तियों के हस्ताक्षर थे?

(घ) टीकम जी डोसी ने तेरापंथ की श्रद्धा किससे तत्व समझकर स्वीकार की?

(ङ) ऋषिराय ने आचार्य भिक्षु व आचार्य भारमल जी के साथ कितने-कितने चातुर्मास किए?

(च) ऋषिराय ने थली में धर्म-प्रचार हेतु सर्वप्रथम किसे भेजा और उन सन्तों का प्रथम चातुर्मास कहाँ हुआ?

(छ) 'जो तुष' से ऋषिराय का क्या अभिप्राय था?

आचार्य जीतमल जी (किन्हीं दस प्रश्नों का उत्तर दें)

(ज) 'हेम भगवती' को पूर्ण करने के लिए जयाचार्य ने किसे प्रेरित किया और वह कब पूर्ण हुई?

(झ) जयाचार्य आचार्य पद पर कब व कहाँ पदासीन हुए?

(ञ) किन-किन क्षेत्रों व श्रावकों के प्रबल आग्रह के कारण जयाचार्य को अपनी मालव यात्रा की भावना एक वर्ष के लिए बदलनी पड़ी?

(ट) जयाचार्य ने गाथाओं के स्थान पर साध्वियों को कौन सा कार्यभार सौंपा?

(ठ) दण्ड और प्रायश्चित्त में क्या अन्तर है?

(ड) ऋषिराय के सान्निध्य, मालव यात्रा में मुनि जीत ने कौन सी तपस्या की?

(ढ) मुनि सतीदास जी के दीक्षा गुरु कौन थे?

(ण) श्रावकत्व की रक्षा के लिए जयाचार्य ने शूलों के लिए क्या नियम बनाया?

(त) जयाचार्य द्वारा रचित उपदेशात्मक ग्रन्थ कौन-कौन से हैं?

(थ) जैनागमों में स्वाध्याय के कितने व कौन-कौन से भेद हैं?

(द) मुनि जीतमल जी ने दिल्ली चातुर्मास में कब, कहाँ व किसे दीक्षित किया?

प्र. 2 निम्न चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिये– 10

आचार्य रायचन्द जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) मुनि रायचन्द जी का पगफेरा संघ में वृद्धिदायक कैसे बना?

(ख) मुनि ईशरजी ने ऋषिराय को थली क्षेत्र की क्या-क्या विशेषताएं बताई?

(ग) ऋषिराय ने अन्तिम उदयपुर चातुर्मास के पश्चात किन-किन क्षेत्रों में कितने दिनों का प्रवास किया?

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(घ) संघीय दृष्टि से गौरव बढ़ाने के लिए जयाचार्य ने मुनि मघवा का उन्नयन कैसे किया?

(ङ) जयाचार्य द्वारा रचित संस्मरणात्मक साहित्य का संक्षेप में वर्णन करें।

(च) जयाचार्य ने विधान मर्यादा के सम्बन्ध में कितने व कौन-कौन से ग्रन्थ लिखे? कोई दस का नाम लिखें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 10

(क) सिद्ध करें कि ऋषिराय के शासनकाल में तपस्या की अभिवृद्धि हुई।

(ख) ऋषिराय की मालव यात्रा का वर्णन करें।

(ग) दीक्षा-वृद्ध साधुओं को भी आचार्य के पास आलोयणा करनी चाहिए। ऋषिराय ने संघ में इस परिपाटी का सूत्रपात कैसे किया?

प्र. 4 किसी एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें– 5

(क) 'आप सही हैं' घटना प्रसंग।

(ख) 'प्रश्नोत्तर तत्व बोध।'

(ग) आहार संविभाग।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) सिद्ध करें कि जयाचार्य श्रुत के अनन्य उपासक थे।

(ख) विविध घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि जयाचार्य के तन का वार्धक्य उनके मन पर कभी नहीं छा सका।

(ग) सिद्ध करें कि जयाचार्य ने तेरापंथ को महोत्सवों के रूप में वे पर्व दिए जिनसे सारे संघ को नवीन प्रेरणाएं मिलती रहे।

तेरापंथ प्रबोध–30

प्र. 6 निम्न में से कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) 'आत्म साक्षात्कार प्रेक्षा ध्यान के द्वारा' गीत वाला पद्य।

(ख) 'संता शासन ओ स्वामी जी रो' गीत वाला पद्य।

(ग) स्वामी द्वारा 'सार्वभौम घोषणा' वाला पद्य।

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) शिक्षा.....सूत्रधार हो।।

(ख) कहै देव.....उधार हो।।

(ग) अठ्ठारै.....दुश्वार हो।।

(घ) एक ओर.....बेकार हो।।

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) 'जाग्रत धर्म हमारा, जीवित धर्म हमारा' गीत वाला पद्य।

(ख) 'लौकिक लोकोत्तर के पृथक' वाला पद्य।

(ग) 'जय हो कल्लू-सुत' गीत वाला पद्य।

(घ) 'रू-रूं में सांवरियो बसियो' गीत वाला पद्य।